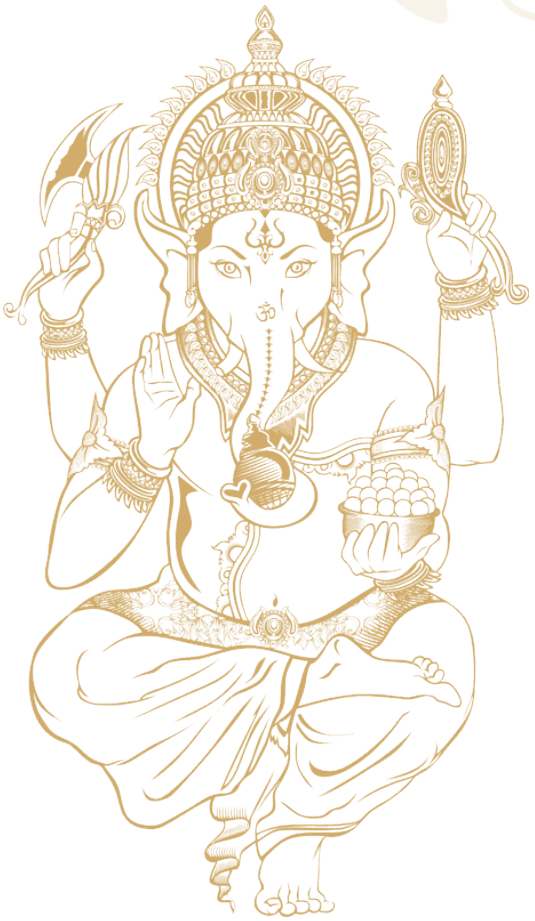

Vinay

Savita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121119017

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/10/1993	जन्म तिथि	19-20/12/1993
मंगल-बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 05:02:00	जन्म समय	06:30:00 घंटे
घटी 56:54:21	जन्म समय(घटी)	58:23:00 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Gorakhpur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:15	सूर्योदय	06:39:54
18:02:33	सूर्यास्त	17:07:15
23:46:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 6मा 26दि	01:42:04	कन्या	लग्न	धनु	01:07:51	गुरु 10वर्ष 5मा 28दि
गुरु	18:57:34	कन्या	सूर्य	धनु	04:22:49	बुध
02/05/2024	15:54:12	वृष	चंद्र	कुंभ	24:35:14	19/06/2023
02/05/2040	12:15:19	तुला	मंगल	धनु	06:14:12	18/06/2040
गुरु 21/06/2026	12:37:22	तुला	बुध	वृश्चि	26:05:33	बुध 15/11/2025
शनि 01/01/2029	28:34:52	कन्या	गुरु	तुला	14:01:13	केतु 12/11/2026
बुध 09/04/2031	23:50:11	सिंह	शुक्र	वृश्चि	27:40:06	शुक्र 12/09/2029
केतु 15/03/2032	00:16:17	कुंभ व	शनि	कुंभ	02:09:26	सूर्य 19/07/2030
शुक्र 14/11/2034	10:21:28	वृश्चि	राहु व	वृश्चि	08:56:52	चन्द्र 19/12/2031
सूर्य 02/09/2035	10:21:28	वृष	केतु व	वृष	08:56:52	मंगल 15/12/2032
चन्द्र 01/01/2037	24:29:03	धनु	हर्ष	धनु	27:07:03	राहु 04/07/2035
मंगल 08/12/2037	24:36:40	धनु	नेप	धनु	26:14:40	गुरु 09/10/2037
राहु 02/05/2040	00:03:09	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	02:53:44	शनि 18/06/2040

लग्न-चलित

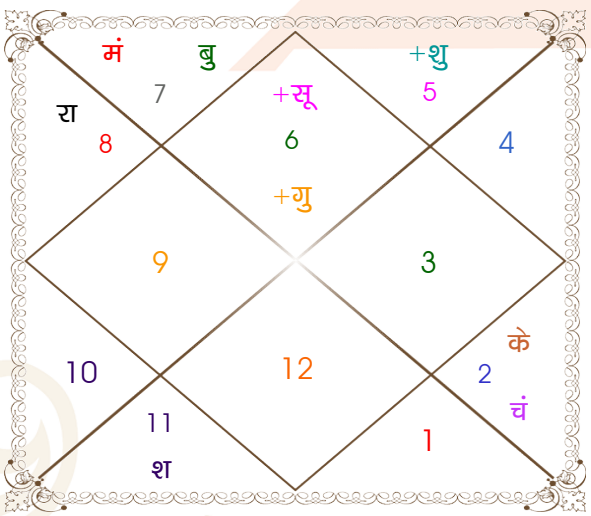

लग्न-चलित

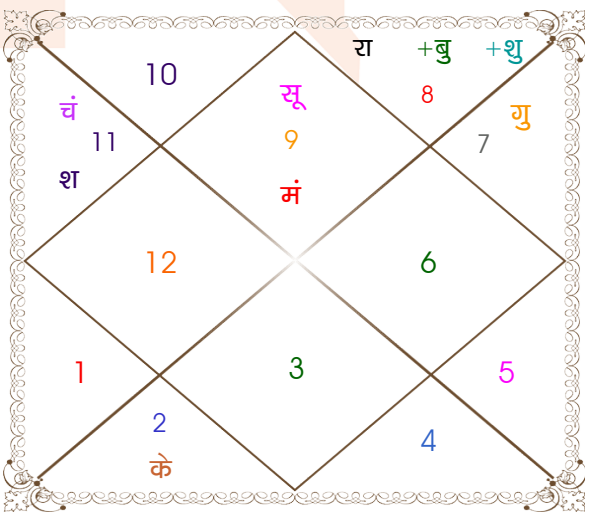

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

टपदंल का वर्ग मृग है तथाँ अपजं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपदंल औरँ अपजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपदंल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ँअपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टपदंल कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपदंल तथाँ अपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।